बहराइच 22 अगस्त। जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र तहसील नानपारा अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम उर्रा, कुड़वा, गायघाट, झाला, गूढ़ इत्यादि ग्रामों में जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार प्रसाद ने अपनी देख–रेख में मिट्टी तेल का वितरण कराया। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में खाद्यान्न का वितरण पूर्व में ही करा दिया गया। श्री प्रसाद ने बताया कि जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह के निर्देशानुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शत–प्रतिशत उठान सुनिश्चित कराये जाने के साथ वितरण कराया जा रहा है। सभी कोटेदारों को निर्देश दिये गये हैं कि सभी कार्डधारकों को अनुमन्य मूल्य पर निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न एवं मिट्टी तेल का वितरण कराना सुनिश्चित करें।

.....

बहराइच 21 अगस्त। अपर जिलाधिकारी द्वारा 22 अगस्त 2014 को जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रातः 08:00 बजे की स्थिति के अनुसार गिरिजापुरी बैराज (घाघरा) का डिस्चार्ज 125721 क्यूसेक जबकि जल स्तर खतरे के निशान 136.80 के सापेक्ष 135.20, गोपिया बैराज (सरयू) का डिस्चार्ज 10770 क्यूसेक जबकि जल स्तर खतरे के निशान 133.50 के सापेक्ष 131.60 तथा शारदा बैराज (शारदा) का डिस्चार्ज 19635 क्यूसेक जबकि जल स्तर खतरे के निशान 135.49 के मुकाबले 134.30 से.मी. दर्ज किया गया है। जारी रिपोर्ट के अनुसार एल्गिन ब्रिज का जल स्तर खतरे के निशान 106.07 के मुकाबले 106.026 तथा घूरदेवी पर जल स्तर खतरे के निशान 112.135 के मुकाबले 111.300 दर्ज किया गया है।

नेपाल से अधिकांश पानी छोड़े जाने से तहसील नानपारा के 145 ग्राम (866 मजरे), तहसील महसी के 28 ग्राम (51 मजरे) एवं तहसील कैसरगंज के 08 ग्राम (29 मजरे) कुल 171 ग्राम (916 मजरे) बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ से लगभग 3,78,122 की जनसंख्या प्रभावित है। अब तक 7316 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुॅचाया गया है। जनपद के तीन तहसील के 15 ग्रामों में अब तक 253 मकान तथा 162 झोपड़ी कटकर नदी में समाहित हो गये हैं। कटान से प्रभावित 415 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुॅचा दिया गया है। बाढ़ के कारण अब तक 25 मनुष्यों तथा 35 पशुओं की मृत्यु हुई है।

बाढ़ प्रभावित ग्रामों में राहत और बचाव कार्य के लिए 175 नावें एवं 17 मोटर बोट लगायी गयीं हैं तथा 45 बाढ़ चौकियॉ संचालित की जा रही हैं। आज 14 लंगर संचालित कर 35928 लंच पैकेट एवं लाई–चना–गुड़ के 17000 पैकेट का वितरण किया गया है। इनमें से 14000 लंच पैकेट एवं 13500 लाई–चना–गुड़ के पैकेट तथा 700 दवा के पैकेट हेलीकाप्टर के माध्यम से वितरित किया गया। इस प्रकार अब तक 157918 लंच पैकेट, 100 तहरी पैकेट तथा 30300 लाई–चना–गुड़ पैकेट का वितरण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा अब तक 89717 लंच पैकेट, 12150 लाई–चना पैकेट, 2400 पानी के पाउच, 100 टार्च, 300 पैकेट बिस्कुट, 50 पैकेट बताशा, 05 बोरी पंजीरी, 2800 बाक्स माचिस तथा 3000 मोमबत्ती, 50 कुण्टल आटा, 03 कुण्टल नमक, 118 किलो गुड़, 15 किलो अचार, 100 पीस ब्रेड, 444 अदद लुन्गी का वितरण किया गया है।

जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्य के लिए तीन कम्पनी फ्लड पी.ए.सी. मय मोटर बोट के लगायी गयी है इसके अलावा एन.डी.आर.एफ. की 42 सदस्यीय टीम गोरखपुर तथा एस.एस.बी. के जवान भी मौके पर बचाव व राहत कार्य में लगे हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में दो हेलीकाप्टरों की भी मदद ली जा रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान कराये जाने के उद्देश्य से 09 मोबाईल टीमें कार्य कर रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में अब तक 19777 रोगी उपचारित किये गये हैं जबकि 266946 क्लोरीन गोली, 10220 ओ.आर.एस., 5085 क्लोरोक्वीन का वितरण किया गया है। पशुपालन विभाग द्वारा अब तक 290920 पशुओं का टीकाकरण एवं 32479 पशुओं का उपचार किया गया है तथा 585 कुण्टल भूसा का वितरण कराया गया है।

जनपद में बाढ़ एवं कटान प्रभावित क्षेत्रों में सतत् निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक आर.एल. वर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बाढ़ क्षेत्र में कैम्प कर नियमित रूप से भ्रमणशील रहते हुए स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बाढ़ एवं कटान प्रभावित लोगों की हर संभव मदद की जाये।

::

बहराइच 22 अगस्त। वृहस्पतिवार की देर शाम चीनी मिल गेस्ट हाउस में बाढ़ राहत कार्यो की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अधिकारी अपने से सम्बन्धित बाढ़ राहत केन्द्रों पर ही रात्रि विश्राम करेंगे। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक से अपेक्षा की गयी कि डी.सी.आर. के माध्यम से नोडल अधिकारियों की क्षेत्र में उपस्थिति का पर्यवेक्षण कराया जाय। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बाढ़ राहत केन्द्र से नोडल अधिकारी के अनुपस्थिति होने की स्थिति में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी जायेगी।

जिलाधिकारी ने गोपिया बैराज बाढ़ राहत केन्द्र के नोडल अधिकारी अधि.अभि. सरयू नहर खण्ड प्रथम देवेश शुक्ला को निर्देश दिया कि वहॉ पर चौबिसों घण्टे लंगर संचालित कराएं। संक्रामक रोगों की प्रभावी रोकथाम के लिए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सभी ज़रूरी उपाय सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में तैनात मेडिकल टीम को नियमित रूप से भ्रमणशील रख कर सभी ज़रूरतमन्द लोगों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाय। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के उपरान्त पशुओं में फैलने वाले संक्रामक रोगों की रोकथाम करने के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्र में पशुओं के टीकाकरण एवं उपचार का प्रबन्ध करें साथ ही आवश्यकतानुसार भूसे की भी व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी राहत को निर्देश दिया कि सर्वे कार्य को तत्काल पूर्ण कराते हुए शीघ्रतिशीघ्र सी.आर.एफ. गाईड लाईन के अनुसार अनुमन्य सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी राहत को निर्देश दिया कि सर्वे कार्य में लगायी गयी टीमों में यदि कोई अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित रहता है तो उसके विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करायी जाय। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए, उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाय। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि सामुदायिक रसोई केन्द्रों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कराएं, किसी भी स्थान पर इनका संचालन बंद नहीं होना चाहिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आर.एल. वर्मा, अपर जिलाधिकारी राहत एस.पी. आनन्द सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी, बाढ़ केन्द्र के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

::

बहराइच 22 अगस्त। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बहराइच ने बताया कि 23 अगस्त 2014 को प्रातः 10:00 बजे से डायमण्ड पैलेस स्टेशन रोड, बहराइच में जिलाधिकारी सत्येन्द सिंह की अध्यक्षता में आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

....

बहराइच 22 अगस्त। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल एम्पावरमेन्ट फाउण्डेशन (डेफ) फिफ्थ एस्टेट ट्रस्ट और इण्डिया डेवलपमेन्ट आल्टरनेटिव फाउण्डेशन के साथ मिलकर ''मंथन अवार्ड'' को प्रदेश में ''ई–उत्तरा'' के रूप में लाने की एक नई पहल की है।

ई उत्तरा पुरस्कार का लक्ष्य राज्य में हो रहे निरंतर विकास एवं नागरिकों को सशक्त बनाने वाले नये एवं शानदार डिजिटल नवाचरों को स्वीकार प्राप्ति कराना तथा उनकी मदद करना है। ई उत्तरा निचले स्तर में सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी को प्रोत्साहित करना चाहता है और स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं नागरिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नवीन अविष्कारों के माध्यम से प्रभाव पैदा करना चाहता है।

''ई उत्तरा'' राज्य में डिजिटल नवाचारों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए एक महान अवसर प्रदान करेगा और राज्य में सामाजिक विकास एवं शासन की चुनौतियों को हल करने के लिए नये अभिनव समाधानों को प्रोत्साहित करेगा। इसके अलावा यह पुरस्कार राज्य में डिजिटल उद्यमिता एवं सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देगा। ऐसे युवा उद्यमियों जिनके नये विचारों द्वारा राज्य का विकास हो सकता है, उनको इस पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहन प्राप्त होगा।